Hindi History Form - CHILD

बच्चों के होमिओपॅशिक उपाचर के लिए आवश्यक जानकारी

भूमिका :

१) हम आपके बच्चे के लिए सही होमिओपॅथिक दवाइ मालूम करना चाहते है । इसके लिए हमें बहुत जानकारी की आवश्यकता होती है, जैसे...

१) शिकायते (अ) प्रमुख एवं (ब) गौण और

२) बालक का निजी व्यक्तितत्व.

२) अधूरी जानकारी से सही दवाई मालूम करने में बहुत कठिनाई होगी । इसीलिये आप से अनुरोध है कि आप सारी जानकारी ठीक–ठीक दें, भले ही कोई बात आपकी दृष्टी में अनावश्यक ही क्यों ना हो । आपके द्वारा दी हुई जानकारी के आधार पर ही आपसे पूछ–ताछ करने की रुपरेखा निर्धारित की जायेगी । इसलिये आपसे पूर्ण सहयोग की अपेक्षा की जाती है । आप विश्वास रखें की आपके द्वारा दी गयी जानकारी को हम अपने तक ही सिमित रखेंगे ।

३) हमें बहुत सारी जानकारी की आवश्यकता होती है । इस जानकारी को हम एक विशेष तरीके से लिख लेते है । चूंकी पूछ–ताछ में अधिक समय लग सकता है इसलिये प्रारंभिक जाँच एक डॉक्टर करता है जो इस तरह के कार्यों की विशेष जानकारी रखता है । जब आपके द्वारा दी गयी जानकारी का केस रेकॉर्ड तैयार हो जाता है तब हम इसका परीक्षण करते है। अगर दवाई देने के लिये और जानकारी की आवश्यकता महसूस होगी तो आपको किसी और दिन मिलने का समय दिया जायेगा जिससे बच्चे के उपचार की उचित रुपरेखा तैयार की जा सके ।

४) हमें विश्वास है कि, आप हमें पूरा सहयोग देंगे जिससे बच्चे का योग्य उपचर किया जा सके ।

प्राथमिक जानकारी : (कृपया बच्चे के बारे में निम्नलिखित जानकारी दें।)

पूरा नाम, पता एवं टेलिफोन नं., जन्म तारीख, लिंग, धर्म/जाति/संप्रदाय, स्कूल, कक्षा, शाकाहारी / मांसाहारी / अण्डे, आदते, चाय–कॉफी/दूध/चॉकलेट इत्यादि वर्तमान घरेलू जिंदगी का विवरण – घरके हर व्यक्ति के बारे में जानकारी दिजिये जैसे उम्र, उनका स्थान, क्या काम करते है और बालक के उनके साथ संबंध । कृपया अपनी सूची में स्वर्गवासी सदस्यों के नाम भी लिखें । मृत्यू के समय उनकी उम्र, साल का मृत्यू का कारण.

सुबह उठने से लेकर रात में सोने तक बच्चे की दैनिक गतिविधियाँ की पूरी जानकारी दें । बालक के आहार के बारे में लिखे मसलन क्या–क्या, किस समय और किस मात्रा में लेता है । पढाई में और खेलने में कितना समय व्यतीत करता है ।

प्रमुख शिकायत :

बच्चे को सबसे ज्यादा तकलीफ पहुँचाने वाली शिकायतों के बारे में सविस्तार लिखिये । हर तकलीफ के बारे में निम्नलिखित जानकारी दें ।

१) तकलीफ कब से शुरु हुई, कैसे शुरु हुई, किस तरह बढी एवं फैली । उसके लिए किये गये उपचार और उस उपचार के परिणाम के बारे में लिखें । इसमें निम्नलिखित संबंधी पूरी जानकारी मिलनी चाहिये ।

अ) तकलीफ का क्षेत्र : स्थान विशेष जहाँ तकलीफ है, वहाँ से लेकर कहाँ तक तकलीफ है, किस दिशा में उसका फैलाव है तथा शुरु से लेकर आज तक तकलीफ के बारे में जानकारी दें ।

ब) तकलीफ के क्षेत्र में महसूस होनेवाली संवेदना का वर्णन किजिये ।

क) तकलीफ सुरु होने के समय या उससे कुछ पहले की परिस्थितियों का अवलोकन किजियें । उस दौरान बच्चे की शारीरिक एवं मानसकि (भावनात्मक पहलू) स्थितीयों पर भी प्रकाश डालिये ।

ख) परिस्थितीयाँ जिनमें तकलीफ कम या ज्यादा होती है ।

ग) अन्य तकलीफे जो प्रमुख तकलीफ के साथ उसी समय होती है – जैसे – पसीना, मितली, उल्टी, वायु वगैरह का दर्द से साथ होना ।

अन्य शिकायतें :

यहाँ पर अन्य सभी तकलीफों का सविस्तार विवरण किजिये जो बालक को अभी है या पहले कभी हुई थी । हर तकलीफ के बारे में पूरी जानकारी उसी प्रकार दें जैसे कि प्रमुख शिकायत के बारे में दी है ।

व्यक्तिगत जानकारी :

निम्नलिखित संबंधी पूरी जानकारी दें ।

१. बच्चे की शारीरिक बनावट का विवरण (वजन, उंचाई इत्यादि) दिजिये ।

२. अ) उसकी भावनात्मक प्रकृति जैसे गुस्सा, भय, लगाव, शर्माना इत्यादि । उसके व्यवाहर / स्वभाव में हाल ही में आये परिवर्तन के बारे में भी लिखे ।

   ब) बौद्धिक उपलब्धियाँ जैसे स्कूल में पढाई मे उत्साह, प्रगति एवं इसके अलावा उसेक शौक वगैरह का वर्णन करें।

   क) उसके परिवार के सदस्यों, मित्रों, स्कूल / ट्युशन के अध्यापकों के साथ संबंधो का सही चित्रण करें । इसमें बच्चे द्वारा महसूस की जानेवाली कठिनाईयाँ और उनका उसके उपर प्रभाव का वर्णन करें । परिवार में आर्थिक परेशानियाँ और आपसी रिश्तो में तनाव हो तो उनकी जानकारी भी दें ।

३. अन्य प्रतिक्रियायें – निम्नलिखित जीजों के बारे में बालक की क्या आदतें है । कौनसी परिस्थितीयोंका उस पर असर होता है ।

   अ) भोजन : जो अच्छा लगता है (अन्न, पेय) वह भोजन जिससे उसे तकलीफ होती है । मिट्टी या चौक खाने की आदतों के बारे में भी लिखे ।

   ब) साधारणातः प्रकृति – मौसम, तापमान, स्नान (गर्म–ठंडा), कपडे एवं ओढने की चादर ।

   क) नींद एवं स्वप्न ।

४. बचें का शारीरिक और बौद्धिक विकास

   अ) प्रसुति – नार्मल या उस समय पेश आई कठिनाईयाँ, नवजात अवस्था में हुई कोई तकलीफें, बच्चे का जन्म वजन ।

   ब) गर्भावस्था और प्रसुति के बाद माँ की शारीरिक और मानसिक, भावनात्मक स्थिती । स्तनपान के समय की तकलीफें ।

   क) बचें के दांत आने, बैठने, चलने, बोलना शुरु करने की उम्र और उस समय पैश आई अन्य तकलीफें । बच्चेका संडास और पेशाब पर नियंत्रण का विवरण दें ।

भूतकालीन बीमारियाँ :

बच्चे की पिछली बीमारियों के बारे में क्रमानुसार लिखिये और आपकी राय में उनका बच्चे की वर्तमान तकलीफों से संबंध बताईये ।

पारिवारीक जानकारी :

बच्चे के माता–पिता, भाई–बहनों, दादा–दादी और नाना–नानी या अन्य खून के रिश्तेदारों के स्वास्थ्य के विषय में संक्षेप से बतलाईयें ।

अन्य जानकारी :

यहाँ आप उन चीजों के बारे में बतलाईयें जो आप उपर नही लिख पाये है ।

अनुबद्धित :

१) बच्चे के स्वास्थ्य के बारे में आपके डॉक्टर की चिट्ठी (अगर उन्होने आपको होमीयोपॅथीक चिकित्सा सलाह दी है।) पिछली बिमारीयों से संबंधित वैद्यकिय कागजात ।

२) अन्य लेबोरेटरी रिपोर्ट, इलेक्ट्रोकाडियोग्राम, एस्क–रे फिल्म, सोनोग्राफी, सीटी स्केन इत्यादि ।

Clinic Address

Dr.Nrupen Bhutkar

Shree Mahalaximi Homeopathy Clinic And Research Center, UG 9 Century Hall Building,
Opp.Zilla-Parishad, Sadar Bazar, Satara, Maharashtra 415001,

Tel.: : + 91 9822785517 , 8830391060

E-mail : nrupenbhutkar@gmail.com • Website :https://drbhutkarhomoeopathyclinic.co.in/